उत्कल विश्वविद्यालय

भाि न्श्वर, ओवाि शा

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

(2020-2021 और आग)े

UTKAL UNIVERSITY

विन्दी विभाग, विश्वविद्यालय पररसर

िाणीविि ार, भाि न्श्वर

उत्कल

विश्वविद्यालय

एम.ए.विन्दी का

पाठ्यक्रम (2020-2021 टर में विभावित और आगे)

वन्दी एम.ए. का पाठ्यक्रम दो रिषों का िोगा, विसको चार वसमस्टर में विभावित ककया गया िै| प्रत्यक वसमस्टर मे पाच - पाच प्रश्नपत्र िोंगे | इस प्रकार परीक्षा के वलए 20 पपर िोंगे और पणाक 2000 िोगा|

प्रत्यक प्रश्नपत्र(पपर) का पणाक 100 िोगा| उसमें वलवित परीक्षा के वलए 70 अक और 30 अक आभ्यतरी परीक्षा के वलए सरवक्षत िोंग| ये परीक्षाए प्रत्यक वसमस्टर के अत में अनवित िोंगी|

िर वलवित प्रश्नपत्र में 5 इकाइया िोंगी| प्रत्यक इकाई से एक दीर्घोत्तरी 10 अक के और एक लर्धुत्तरी 4 अक के प्रश्न िोंग| िर प्रश्न के दो विकल्प िोंगे विनमें से एक का उत्तर दना अवनिाय िोगा| इस प्रकार वलवित 10+4=14×5=70 िोगा| आभ्यतरी प्रश्नपत्र का पणाक प्रश्न विभाग द्वारा वनवित ककया िायगा|

विन्दी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय

भिन्बर, ओविशा|

(Prof.) Radhakant Mishra **(Prof.) Smarapriya Mishra**

(Prof.) RabindraNath Mishra **(Dr.) Snehalata Das**

(Prof.) Subash Chandra Dash (co-ordinator)

प्रथम सेमेस्टर:

HC-01: हिन्दी साहित्य का इतिहास-1 (आदि और मध्यकाल)

HC-02: सगुण भक्ति काव्य और रीति काव्य

HC-03: नाटक और एकांकी

HC-04: व्यावहारिक हिन्दी

HC-05: अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

द्वितीय सेमेस्टर:

HC-06: हिन्दी साहित्य का इतिहास-2 (आधुनिक काल)

HC-07: भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का उद्भव विकास

AE-01: भारतीय काव्य चिंतन

AE-02: हिन्दी पत्रकारिता

OE-01: विशेष अध्ययन : तुलसीदास अथवा प्रेमचंद

तृतीय सेमेस्टर:

HC-08: शोध प्रविधि और प्रक्रिया

CE-01: आधुनिक हिन्दी काव्य

CE-02: हिन्दी गद्य साहित्य (उपन्यास, कहानी)

AE-03: पाश्चात्य साहित्य-चिंतन

OE-02: हिन्दी आलोचना और विविध विचारधाराएं (स्त्री और दलित विमर्श)

चतुर्थ सेमेस्टर:

HC-09: हिन्दी गद्य साहित्य (निबंध, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, संस्मरण, यात्रावृतांत आदि)

HC-10: लघु शोध प्रबंध लेखन और सेमिनार

CE-03: प्राचीन काव्य (संत काव्य और प्रेम काव्य)

CE-04: तुलनात्मक साहित्य तथा हिन्दी और ओड़िआ काव्य का तुलनात्मक परिदृश्य

OE-03: मौखिकी (स्पोकन हिंदी)

1st SEMESTER

PAPER CODE: HC-01

हिन्दी साहित्य का इतिहास-1 (आहद और मध्यकाल)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS-1 (AADI AUR MADHYAKAL)

इकाई-1: विन्दी सावित्य के हेत, इवतिास लिन के इवति आरंवभक सक प्रारवभभक उद्यम, प्रमि ास ग्रन्थ(उनमें प्राप्त विवभन्न दवि कोण, कालविभािन और नामकरण)

इकाई-2: विन्दी सावित्य के आकद, भवि और रीवतकाल की पिभवम, पररवस्थवतया और प्रिवतया, उनके उद्भि और विकास विर्षयक विविध दविकोण|

इकाई-3: वसद्, , नाथ, रासो तथा िीर ाररक काव्य की विश्ितााए िन काव्य एिं शग और प्रमि रचनाए तथा रचनाकार|

इकाई-4: वनगण ाश्रयी तथा सफी रामभवि काव्य की ज्ञानाश्रयी भवि काव्य, सगण काव्य, प्रेम विशेर्षता ए, एिं रचनाओं का ज्ञान| प्रमि

इकाई-5: कृष्णभवि काव्य और रीवत काव्य की विश्ितााए तथा प्रमि रचनाओं का सभयक विचन, मध्ययग की काव्यात्मक उपलवधधया|

संदभग्रथ:

1. विन्दी सावित्य का इवतिास- रामच/शक्ल
2. विन्दी सावित्य का आलोचनात्मक इवतिास- रामकुमार िमा
3. विन्दी सावित्य- िििारी प्रसाद वद्विदी
4. विन्दी सावित्य का इवतिास- सपादक- डॉ. नगे /

PAPER CODE: HC-02

सग ु ण भक्त ि क ाव ्य और र ीत ि क ाव ्य

(SAGUN BHAKTI KAVYA AUR REETI KAVYA)

इकाई-1:सरदास- विनय, बाललीला और भ्रमर गीत के पद

विनय- चरन कमल बन्द ौ ि रररर ाई, ि ापर े वचत न
द ीन ान ाथ ढर ै, प्रभ ु मथरौ, प्रभु ि ो ं सब पवततन अ ि
कौ टीको| गण

बालल ील ा- ि स ोद ा ि र ी प ालन ै ...., ि र ी ककलकत
ि सद ा क ी कवनय ा, स ोवभत
कर निनीत वलय, क ि ा लौं बरन ो ं ा म ै ं नच ि ं ा
सदरत ाई, मय म ा ि न ि ाय ो, म ोच
मय ि
द ाऊ बह ुत विझ ाय ो, ककलकत ुरु ि न ा कबह बढ़ े ग ी
क ान ् ि र्घट आत, मय च ोटी(सर
सचयन, विश्वविद्यालय प्रकाशन)

भ्रमरग ीत क े पद- भ्रमरग ीत स ार (पद- 21 स े 50 शकल, पस्तक
तक)- र ामच
भडार, ि ाराणसी

इक ाई-2: र ामचररतम ानस

(उत्तरक ाडं) इक ाई-3: क े श ि -

प्र ार ं भ क े 10 पद इकाई-4:

वबारी- प्रारंभ के 30 दो ि

भर्षण- प्रारंभ के 10 पद

इकाई-5: र्घनानद- पद 1 से 20

(इकाई 3-5: रीवतकाव्य सग्र ि , , ल ोकभ ारत ी प्रक ाशन,
वि ि यप ाल इल ा ि ाबाद)
चस ि

(भ्रमरगीत, वबिारीऔर घनानद से व्याख्या के प्रश्न िोंग)

संदर्भग्रंथ :

1. सर सावित्य- िजारी प्रसाद वद्ववेदी
2. तलसी दास- रामचशक्ल
3. विन्दी रीवत सावित्य- भगीरथ वमश्र
4. रीती काव्य की भवमका- डॉ. नगे

PAPER CODE: HC-03

नाटक और एकांकी

NATAK AUR EKANKEE

इक ाई-1: नगर ी- ु ि रर ि ✍ अधर भ ारतद

इकाई-2: स्कंदगप्त - र प्रसाद ि य शक

इकाई-3: आध े अधरे- मोि न राकेश

इक ाई-4: अध ायग- धर्म ि ीर भ ारत ी

इक ाई-5: वनम्नवलववत ी: एक ाकं र भट्ट

क. पद े क े प ीछ े- उदय शक

ि . च ार ुवमत्र ा- र ामक ु म ार ि म ाग.

स ि ी ड ाल ी- उप्न े ✍ ाथ अश्क

घ. समर े ि ा-विर्षमर े ि ा- विष ्ण ु प्रभ ाकर

(स्कंदगप्त से व्याख्या के वलए प्रश्न ि ों ग)

सदभ्राथ:

1. व ि न्दी न ाटक- बच्चन चस ि
2. व ि न्दी न ाटक: उद्भ ि और विक ास- दशरथ ओझ ा
3. न ाटकक ार र प्रस ाद- ादक- सत्यन े ✍ क ु म ार तन ि ा ि यशक सप

4. मोिन राकेश और उनके नाटक- वगरीश रस्तोगी

PAPER CODE: HC-04

व्याविाररक हिन्दी

VYAVAHARIK HINDI

इकाई-1: विन्दी के विवभन्न रूप:

र◌ाष्ट्रभ◌ार्ष◌ा, कभ◌ार्ष◌ा, र◌ाि◌भ◌ार्ष◌ा, भ◌ारत◌ीय सवं◌ि◌ध◌ान और सम्पिदी वि◌न्◌द◌ी, प्रय◌ो◌ि◌नमलक

इक◌ाई-2: क◌ाय◌ालय◌ी वि◌न्◌द◌ी:

पण, ज्ञ◌ापन, वनविद◌ा|

रटप्◌पण,

प्र◌ारूपण, सङ्क्षकाई-3:

कायालयी पत्र:

सरक◌ारी, रक◌ार◌ी पत्र, अि◌◌ी, व्यिस◌ावयक ना| अधस पत्र, अवधसच

इक◌ाई-4: ज्ञ◌ान वि◌ज्ञ◌ान क◌े क्षेत्र म◌े◌ं वि◌न्◌द◌ी और प◌ाररभ◌ावर्षक शधद◌ाि◌ल◌ी|

इक◌ाई-5: वि◌न्दी क◌े प्र◌ाय◌ोवगक क्षेत्र:

क. ब◌ै◌ंक

ि◌. ि◌◌ीम◌ा

ग. व्याि◌सावयक क्षेत्रर्घ. कभप्यटर

स◌ंदभग्रन्थ:

1. प्रय◌ो◌ि◌नमलक वि◌न्◌द◌ी- विन◌ोद ग◌ोदर◌े
2. प्रय◌ो◌ि◌नमलक वि◌न्◌द◌ी- वसद्◌ात और प्रय◌ोग- दग ल झाल्टे
3. प्रशासवनक विन्दी- ओंकारनाथ शमा
4. र◌ाि◌भ◌ार्ष◌ा प्रवशक्षण- द◌ान बि◌◌ादर प◌ाठक
5. र◌ाि◌भ◌ार्ष◌ा वि◌न्◌द◌ी- भ◌ोल◌ान◌ाथ वति◌◌ार◌ी

6. कभप्यटर अध्ययन- नरेन्/चसाि

7. सरकारी कायालयों ि बकों में प्रयोिनशील विन्दी- अवनल कुमार वतिारी

PAPER CODE: HC-05

अन◌ुव◌ाद ससद◌्◌ा◌ा◌ंि◌ि और प्रय◌ोग

ANUVAD SIDDHANT AUR PRAYOG

इक◌ाई-1: अनि◌ि◌ाद क◌ी पररभ◌ार्ष◌ा,प्रक◌ृवत और स्ि◌िर◌ूप, मख्य भद, स्रोत और लक्ष्य भ◌ार्ष◌ा क◌ा

सपक

इक◌ाई-2: अनि◌ि◌ाद क◌ी समस्य◌ाए, उपय◌ोवगत◌ा, क◌ाय◌ालय◌ी अनि◌ि◌ाद, उसक◌ी करठन◌ाइय◌ा

इक◌ाई-3: विवभन्न वसद्◌ात, प्रक्रय◌ा और प्रविवध (वि◌िच◌ार विश्ल्षण, अथ ग्रि◌िण, अथ◌ान्तरण क◌ी प्रण◌ाल◌ी आकद), समतल्यत◌ा क◌ा वसद्◌ात

इक◌ाई-4: ओवि◌िआ स◌े चि◌िद◌ी म◌े◌ं अनि◌ि◌ाद: (गद्य क◌े 20 ि◌ाक◌्य और कवित◌ा क◌ी 10 पव◌ं ि◌िय◌ा)

इक◌ाई-5: अ◌्रि◌ि◌ी स◌े चि◌िद◌ी म◌े◌ं अनि◌ि◌ाद: (गद्य क◌े 20 ि◌ाक्य)

स◌ंदभ्रथ:

1. अनि◌ि◌ाद वसद्◌ात क◌ी र◌ूपर◌े ि◌ि◌ा-सर ◌ेशकुमार
2. अनि◌ि◌ाद प्रक्रय◌ा- र◌ीत◌ारान◌ी प◌ाल◌ीि◌ि◌ाल,वनवध प्रक◌ाशन, कदल्ली
3. अनि◌ि◌ाद वसद्◌ात- र◌ाि◌िमवण शम◌ा
4. क◌ाय◌ालय◌ी अनि◌ि◌ाद- ग◌ोप◌ीन◌ाथ श्र◌ीि◌ि◌ास्ति◌ि, स◌ामवयक प्रक◌ाशन, कदल्ली

2nd SEMESTER

PAPER CODE: HC-06

हिन्दी साहित्य का इतिि◌ि◌ास-2

HINDI SAHITYA KA ITIHAS-2

(आ्तु नक काल)

इक◌ाई-1: प्रथम ता ◌ाम 1857 और विरटश शासन का विरोध भारतीय स्◌ि◌तत्र स्म्र

न◌ि◌ि◌ि◌ि◌ागरण, ◌ि◌ि◌ि◌ि◌ीबोल◌ी क◌ा उदय, फोटयविवलयम क◌ॉल◌ि◌ि◌, प◌ा◌ि◌ि◌ात्य और भ◌ारत◌ीय

◌ि◌च◌ारर ◌ात और न◌ि◌ीन त◌ा क◌ी ◌ा, उसके वलए क र्सघ ◌ि◌ि◌ी◌ि◌न तथ◌ा स्◌ि◌तत्र आक◌ाक्ष

र◌ा◌ि◌ि◌न◌ीवतक, , क्ृ वतक तथ◌ा स◌ाव◌ि◌ि◌वत्यक प्रय◌ास|

स◌ाम◌ाव◌ि◌ि◌क, ध◌ार्मक स◌ा्स

इक◌ाई-2: भ◌ारतदयग तथ◌ा म◌ि◌ि◌ा◌ि◌ि◌ीर प्रस◌ाद यग क◌ी पररवस्थवतय◌ा और विशषत◌ाए

इक◌ाई-3: छाय◌ा◌ि◌ि◌ाद यग क◌ा उद्भ◌ि◌ि◌ और विक◌ास, स◌ाव◌ि◌ि◌वत्यक ◌ि◌ि◌भ ◌ि◌ि◌ क◌ा उत्कर्ष, प्रगवत◌ि◌ि◌ाद क◌ा उदय और विक◌ास, प्रय◌ोग◌ि◌ि◌ाद और नई कवित◌ा क◌ा स्वरूप तथ◌ा उपलवधधय◌ा

इक◌ाई-4: आधवनक क◌ाल और गद्यविध◌ाओं क◌ा विक◌ास, वनबध, न◌ाटक, र◌े◌ि◌ि◌ावचत्र, ◌ि◌ि◌ी◌ि◌न◌ी,

आत्मकथ◌ा, य◌ात्र◌ा◌ि◌ि◌त◌ात आकद क◌ा उद्भ◌ि◌ि◌ और विक◌ास

इक◌ाई-5: व◌ि◌न्दी उपन्य◌ास, क◌ि◌ि◌ान◌ी और आलोचन◌ा स◌ाव◌ि◌ि◌त्य क◌ा ऐवत◌ि◌ि◌ावसक विक◌ासक्रम और

◌ि◌ि◌वशष्य

संदभग्र थ:

1. व◌ि◌न्दी स◌ाव◌ि◌ि◌त्य क◌ा इवत◌ि◌ि◌ास- सप ◌ादक- डॉ. नगन्◌े
2. व◌ि◌न्दी स◌ाव◌ि◌ि◌त्य क◌ा दसर◌ा इवत◌ि◌ि◌ास- बच्चन चस◌ि◌ि◌
3. आधवनक व◌ि◌न्दी स◌ाव◌ि◌ि◌त्य क◌ी प्र◌ि◌ि◌वतय◌ा- न◌ाम◌ि◌ि◌र चस◌ि◌ि◌
4. भ◌ारतद ◌ु यग और म◌ि◌ि◌ा◌ि◌ि◌ीर प्रस◌ाद व्दव◌ि◌ि◌द◌ी और च◌ि◌द◌ी न◌ि◌ि◌ि◌ि◌ागरण- र◌ामविलास शम◌ा

5. हिन्दी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

6. हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचन्द्र तिवारी

7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी

PAPER CODE: HC-07

भ◌ाष◌ा ववज्ञ◌ान और हिन्◌्द◌ी भ◌ाष◌ाक◌ा उदभव ववक◌ास

BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHAKA UDBHAV VIKAS

इक◌ाई-1: भ◌ार्ष◌ा क◌ी पररभ◌ार्ष◌ा, स्◌ि◌ि◌र◌ूप, विविध र◌ूप और भ◌ार्ष◌ा विज्ञ◌ान क◌ा स्◌ि◌ि◌रूप, प्रम◌ि◌
अग और अध्ययन की पद्वतया

इक◌ाई-2: ध्◌िवनविज्ञ◌ान; व◌ि◌न्दी ◌ि◌य , ध्◌िवनय◌ो◌ं क◌ा ◌ि◌ग◌ीकरण, क◌ी ध्◌िवनय◌ा, त्र ध्◌ि◌नी पररर◌ितन
क◌े क◌ारण और कदश◌ाए, म◌ानस्◌ि◌र, स्◌िवनम और ससि◌न

इक◌ाई-3: र◌ूपविज्ञ◌ान; प, शधद क◌ी प्रककरय◌ा, ◌ि◌ाक्◌यविज्ञ◌ान, र◌ूवपम, सरू वनम◌ाण ◌ि◌ाक्◌य◌ो◌ं क
भद, अ◌िधारण◌ा, अथ क◌े आध◌ार पर विवभन्न ररि◌ क◌ी कदशाए
शधद, अथप तन

इक◌ाई-4: ◌ार्ष◌ाओ क◌ा कृ◌त, कृ◌त, प्र◌ाकृ◌त और आयभ व◌ि◌क◌ासक्रम; ◌ि◌ै दक स्◌स ल◌ौककक स्◌स अपभ्रश
भ◌ार्ष◌ाओं क◌ी मख्य विश्षत◌ाए

इक◌ाई-5: व◌ि◌न्दी क◌ी बोवलय◌ा और उनक◌ी मख्य विश्षत◌ाए

स◌ंदभ्रथ:

1. भ◌ार्ष◌ाविज्ञ◌ान- भ◌ोल◌ान◌ाथ व्त◌ि◌ार◌ी
2. भ◌ार्ष◌ाविज्ञ◌ान क◌ी भवमक◌ा- द◌ि◌्◌े न◌ाथ शम◌ा
3. व◌ि◌न्द◌ी: उद्भ◌ि◌, विक◌ास और र◌ूप- ◌ि◌रद◌ि◌ ब◌ा◌ि◌र◌ी
4. भ◌ार्ष◌ा विज्ञ◌ान और च◌ि◌द◌ी भ◌ार्ष◌ा- र◌ाम व्त्रप◌ाठ◌ी
5. भ◌ार्ष◌ा विज्ञ◌ान- र◌ा◌ि◌मवण शम◌ा
6. व◌ि◌न्दी भ◌ार्ष◌ा: इवत◌ि◌ास और स्◌ि◌ि◌र◌ूप- र◌ा◌ि◌मवण शम◌ा

PAPER CODE: AE-01

भ ारि ीय क ाव्य चगि न

BHARATEEYA KAVYA CHINTAN

इक ाई-1: क ाव्य क ी पररभ ार्ष ा, क ाव्य लक्षण, भद, ि त ु और प्रय ो ि न, क ाव्यश ास्त्र क ा मि त्ि,
काव्यात्मा सबधी विचार

इक ाई-2: रस , रस क ा स् ि र ूप, रस क ी में विवभन्न मत, रस क वसद् ात वनष् पवत, उस सबध
अग, प्रमि भद और स ाध ारण ीकरण

इक ाई-3: ार दाय और रीवत द ाय: अि धारण ा, म ौवलक स् थ ापन ाए और अलक स्प्र स्प्र उनक ा
म्लय न, अलक ारो ं और मख्य अलक ार, र ीवत ो ं , रीवत ाक क े भद और गण क ा सबध
के भद|

इक ाई-4: ध् ि वन ; ध् ि वन क ा न क ी म ौवलकत ा, ध् ि वन क ाव्य क े वसद् ात स् ि रूप, च्चत भद,
शधदशवि य ा

इक ाई-5: ि क्र ोवि और : मख्य वि च ार और प्रक ारभद
औवचत् य वसद् ात

स ंदभ्रथ:

1. भ ारत ीय क ाव्यश ास्त्र क ी भवमक ा- ड ॉ. नग्न्े
2. काव्यशास्त्र एि भारतीय काव्यशास्त्र- भगीरथ वमश्र
3. भ ारत ीय क ाव्यश ास्त्र- सत् यदि च ौधर ी
4. भ ारत ीय क ाव्यश ास्त्र-वनश ा अग्र ि ाल

PAPER CODE: AE-02

हिन्◌्द◌ी पत्रक◌ारर◌ि◌ा

HINDI PATRAKARITA

इक◌ाई-1: च◌िद◌ी पत्रक◌ाररत◌ा क◌ा विक◌ास-क्रम (1860-1960), मख्य◌ा पत्र-पवत्रक◌ाए

इक◌ाई-2: समाच◌ार पत्र, समाच◌ार क◌ा स◌्◌ि◌रूप, समाच◌ार सकलन-ल◌ि◌न, श◌ीर्षक

इक◌ाई-3: ◌ादन, ◌ादक◌ीय उत्तरद◌ावयत्◌ि ◌ादक◌ीय न, उसकी समाच◌ार-सपं सप और सप ल◌ि उपयोवगता

इक◌ाई-4: स◌ाक्ष◌ात्क◌ार, फीचर ल◌ि◌न, ◌िग◌ीकरण, स◌ि◌ा◌िट आकद

इक◌ाई-5: सच◌ार क◌े अन्य म◌ाध्यम◌ों क◌ा म◌ि◌त्◌ि: रव◌िये ◌ो, टेल◌ीव◌ि◌ि◌न, ◌ि◌ीवडय◌ो आकद

स◌ंदभग्रंथ: पत्रक◌ाररत◌ा-

1. व◌िन्दी पत्रक◌ाररत◌ा- क◌ृष◌्णव◌ि◌ि◌ार◌ी वमश्र
2. आधवनक पत्रक◌ाररत◌ा- अ◌ि◌न वत◌ि◌ार◌ी
3. पत्रक◌ाररत◌ा क◌े नए आय◌ाम- एस. क◌े. दब

PAPER CODE: OE-01

ववश ेष अध्ययन: ि ुलस ीद ास अथव ा प्र ेमगन ्द

VISHESH ADHYAYAN: TULSIDAS ATHAVA PREMCHAND

ि सीदास

TULSIDAS

इक ाई-1: र ामचररतम ानस-
उत्तरक ाड

इक ाई-2: विनयपवत्रक ा- (पद सख्य ा- 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 85, 90, 94,
100, 101, 102, 103, 104, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 182, 201, 269, 272)

इक ाई-3: कवित ाि ल ी- , अय ोध् य ाक ाड

बालक ाइक ाई-4:

ग ीत ाि ल ी-

अरण्यक ाडं

इक ाई-5: द ोि ाि ली(प्रथम 200 द ोि े और स ोरठ े)

(व्याख्य ा क े प्रश्न उत्तरक ाड क े 1 स े 60 द ोि े तक और विनयपवत्रक ा स े ि ो ंग)

संदभग्र थ:

1. तलस ीद ास- र ाममर्त वत्रप ाठ ी
2. तलस ीद ास- विश्वन ाथ वत्रप ाठ ी
3. तलस ी द ास- उदयभ ान ु चसि
4. भवि क ाव्य क ी भवमक ा- प्रमशकर

प्रेमगांद

PREMCHAND

इकाई-1: प्रमाश्रम

इकाई-2: रंगभवम

इकाई-3: कमभवम

इकाई-4: कुछ विचार

इकाई-5: कहानी: पंच परमेश्वर, शतरंज के खिलाड़ी, गह, दो बलों की कथा, नशा, सवासेर सहान भगत, पस की रात, कफ़न

(व्याख्या कमभ वम से पूछी जाएगी)

संदर्भग्रंथ :

1. प्रमचद और उनका यग - रामविलास शमा
2. कहानीकार प्रमचद- वशहकुमार वमश्र
3. प्रमचद- गगा प्रसाद विमल
4. हिन्दी उपन्यास- रामचन्द्र तिवारी

3rd SEMESTER

PAPER CODE: HC-08

शो् प्रववच् और प्रक्रिया

SODH PRAVIDHI AUR PRAKRIYA

इक ाई-1: श ोध अथ ि ा अनसन् ध ान क ा अथ और स् ि र ूप, समस् य ाए तथ ा उपय ोवगत ा

इक ाई-2: अनस ध ान मल के तत्त् ि, प्रकक्रय ा और प्रक ार

इक ाई-3: प्रविवध-स ामग्र ी क ा पर ीक्षण, विर्षय न, सामग्री सकलन, विश्लर्ष ण तथा वन ि ा ष ि ण त्य ाग|

इक ाई-4: प्रकक्रय ा-श ोधक ाय क ी र ूपर े ि ा प्रस् तवत, प्रस् त ा ि न ा, विर्षयसच ी, अध् य ाय-विभ ा ि न, सन्दभ-उल् ल ि, स ि ायक ग्रन् थ- सच ी

इक ाई-5: पररकल् पन ा (ि ाईप ोवथवसस), क ी प्र ाम ावणकत ा क ा विर्षय-वि ि न, पर ीक्षण, वनष् कर्ष वसद् ात

स ंदभ्रथ:

1. अनस ध ान प्रविवध: वसद् ात और प्रकक्रय ा- एस.एन.गणशन
2. श ोध: स् ि र ूप एि ं व्या ि ि ाररक क ायव ि वध- ब ि न ाथ वस ि ल

PAPER CODE: CE-01

आ्ुत नक ह िन्द ी क ाव्य

ADHUNIK HINDI KAVYA

इक ाई-1: स ाक े त(न िम सग)- मवथलीशरण

गप्तु इक ाई-2: क ाम ायन ी(श्रद् ा और र प्रसाद

लज्ज ा सग)- ि यशक

इक ाई-3: र ाम क ी ा, और मैं- वनराला
शव ि प ि तम

इक ाई-4: ी(ीय सग)- कदनकर
उ ि श तत

इक ाई-5: अस ाध्य और अधर े म े ं- मव ि बोध
ि ी ण ा- अज्ञय

(व्याख्या के प्रश्न इकाई 2,3,5 से ि ो ंग)

संदभ्ग्रथ
:

1. साकेत: एक अध्ययन- नगन् े
2. वनर ाल ा क ी स ावि त्य स ाधन ा- र ामविलास शम ा
3. छाय ाि ाद- न ाम ि र चस ि
4. प्रसाद का काव्य- प्रमशकर
5. उ ि यश ी: उपलवधध और स ीम ा- व ि ि नारायण चस ि
6. अधरे इवत ि ा चन ा, दन ा- बच्चन चस ि
   म: स, सर स ि
7. आधवनक व ि न्दी कवित ा क ा विक ास- ि त ु भ ारद्व ा ि

PAPER CODE: CE-02

हिन्दी गदय साहित्य: उपन्यास और किानी

HINDI GADYA SAHITYA: UPANYAS AUR KAHANEE

इक◌ाई-1: चदं

ग◌ोद◌ान-प्रम ल- फणीश्वरनाथ रेण

इक◌ाई-2: मल◌ा

आच

इक◌ाई-3: आपक◌ा बट◌ी- ◌ारी

मन्न◌ू भइक◌ाई-4:

कि◌◌ावनय◌ा:

क. पस क◌ी र◌ात – प्रमचद

ि◌. आक◌ाशद◌ीप – प्रस◌ाद

ग. पत्न◌ी – ि◌न्त्◌े कु◌ म◌ार

र्घ. ि◌◌ाङ्च–भ◌ीष्मस◌ाि◌न◌ी

इक◌ाई-5: कि◌◌ावनय◌ा:

क. ि◌◌ोई ह◌ुई कदश◌ाए – कमलश्वर

ि◌. ि◌ि◌◌ा लक्ष्म◌ी क◌ैद ि◌◌ै – र◌ाि◌य◌ादि◌

ग. प्रत मवि◌ – मरटयानी
शलश

र्घ. परर◌ंद◌े – ि◌
वनमल मा

(व्याख्या के प्रश्न गोदान से ि◌◌ो◌ंगे)

सधभग्रन्थ:

1. प्रमचद और उनक◌ा - रामविलास शमा
   यग
2. विन्दी उपन्यास- रामचवतिारी
3. कि◌◌ान◌ी नय◌ी कि◌◌ान◌ी- न◌ामि◌र चसि◌
4. वि◌न्दी कि◌◌ान◌ी क◌ा इवति◌◌ास- ग◌ोप◌ाल र◌ाय

5. मैला आचल का मित्ि- मधरेश

PAPER CODE: AE-03

प◌ाश्गात्य स◌ाहित्◌्य चग◌ि◌न

PASCHATYA SAHITYA CHINTAN

इकाई-1: प्लटो- सत्य और काव्य, अनकरण वसद्◌ात,

अरस्त- अनकरण वसद्◌ात, त्रासदी, विरेचन वसद्◌ात,

लोंि◌◌इनस- उदात्त तत्ि◌

इक◌ाई-2: ि◌र्डसि◌ि◌थ- स्ि◌छदतं ◌ाि◌◌ाद,

क◌ॉलररि◌ि◌- कल्◌पन◌ा वसद्◌ात,

म◌ैथ्◌य◌ू आनल्ड- श◌ास्त्रि◌ाद◌ी विच◌ार, कला और नवतकत◌ा

इक◌ाई-3: आई.ए.ररचड्स- म्लय और सम्प्रेषण वसद्◌ात, स◌ावि◌ि◌त्य सम्बन्ध◌ी विच◌ार

टी.एस.इवलयट- पर◌ंपर◌ा और ि◌य वि◌क प्रवतभ◌ा, विकता का वसद्◌ात, वनि◌य ि◌स्तवनि◌ समीकरण

इक◌ाई-4: प◌ाि◌ि◌◌ात्◌य स◌ावि◌ि◌त्य चचत न के विवभन्न चरण: एक वि◌ि◌ि◌◌ंग◌ाि◌लोकन: प्लट◌ो स◌े नई समीक्षा तक

इक◌ाई-5: प्रमि◌ि ि◌◌ाद: स्ि◌छदतं ◌ाि◌◌ाद, श◌ास्त्रि◌ाद, अवस्◌तत्ि◌ि◌◌ाद, म◌ाक्सि◌ि◌◌ाद, यथ◌ाथि◌ि◌◌ाद, सरचन◌ाि◌◌ाद, प्रत◌ीकि◌◌ाद, वि◌ि◌ड निाद|

सदभ्ग्रथ:

1. प◌ाि◌ि◌◌ात्◌य स◌ावि◌ि◌त्य चचतन- वनमल◌ा ि◌ि◌न
2. प◌ाि◌ि◌◌ात्◌य क◌ाव्यश◌ास्त्र- भग◌ीरथ वमश्र
3. प◌ाि◌ि◌◌ात्◌य क◌ाव्यश◌ास्त्र क◌ी पर◌ंपर◌ा- नगने्द्र और स◌ावि◌त्र◌ी वसन्ि◌◌ा
4. प◌ाि◌ि◌◌ात्◌य क◌ाव्यश◌ास्त्र- द◌ि◌ेवेन्द्रन◌ाथ शम◌ा

PAPER CODE: OE-02

हिन्‌दी आलोगना और वववव्‌ ववगार्‌राएँ (स्त्री और दसलि ववमशश)

HINDI ALOCHANA AUR VIVIDH VICHARDHARAEN (STREE AUR DALIT VIMARSH)

इकाई-1: शुकल- चचतामवण भाग-1
रामच

इकाई-2: िििारी प्रसाद वद्विदी-

विन्‌दी सावित्‌य की भवमका इकाई-3: नगने

रीवत काव्‌य की भवमका, स्त्री विमश

इकाई-4: रामविलास शमा- प्रमचद

इकाई-5: - दसरी परंपरा की िोि, दवलत विमश
नामिर चसि

संदभग्रंथ:

1. विन्‌दी आलोचना की बीसिीं शताधदी- वनमला िन
2. विन्‌दी आलोचना- विश्वनाथ वत्रपाठी
3. विन्दी आलोचना का विकास- नद ककशोर निल
4. दवलत सावित्‌य- अनभ ि, सघष, और यथाथ- ओमप्रकाश बाल्‌मीकक
5. दवलत चचतन का विकास- धमिीर
6. स्त्री लिन की रूपरेिा- राम प्रकाश

4th SEMESTER

PAPER CODE: HC-09

हिन्दी गदय साहित्य(तनबां, रेखाचगत्र, जीवनी, सांस्मरण, यात्रा ववरण)

HINDI GADYA SAHITYA (NIBANDH, REKHACHITRA, JEEVANI, SANSMARAN, YATRA, VIVARAN)

इकाई-1: वनबध वनकरष- सं रामच वतिारी

इकाई-2: वन्दी के श्रि रेिावचत: बलगािी, लछमा, बस िािे से कथाओं म वनरालि, दत वत्रलोचन, एक कुत्ता और एक मना

इकाई-3: अरे यायािर रिगा याद- अज्ञय

इकाई-4: आिारा मसीिा- विष्णु प्रभाकर

इकाई-5: अन्या से अनन्या- प्रभा िेतान

(व्याख्या के िल 'वनबध वनकर्ष' से पछ ी िाएगी)

सांदभग्रथ
:

1. वन्दी गद्य विन्यास और विकास- रामस्िरूप चतिदी
2. प्रवतवनवध चिदी वनबधकार- विभराम वमश्र
3. यात्रा सावित्य विधा: शास्त्र और इवतिास- बाबराम दशाई

PAPER CODE: HC-10

लघु शो् प्रबां् लेखन और सेसमनार

LAGHU SHODH PRABANDH LEKHAN AUR SEMINAR

प्रत्यक विद्याथी को लगभग 50 पि ों मे एक शोध-प्रबध वलिकर परीक्षा प्रारंभ िोने से पिल

विभाग मे िमा करना िोगा| शोध का विर्षय और शीर्षक आकद विभाग द्वारा अनम ोकदत ककया

ि ा| लिन के ायग वलए पणाक 70 और सवमनार के वलए 30 अक िोंग|

PAPER CODE: CE-03

प्रागीन काव्य (सां◌िकाव्य और प्रेमकाव्य)

PRACHEEN KAVYA (SANTKAVYA AUR PREMKAVYA)

इक◌ाई-1: विद्य◌ापवत क◌ी पद◌ा◌ि◌ल◌ी- ◌िसत ◌ि◌◌ड

इक◌ाई-2: पथृ◌ि◌ीर◌ा◌ि र◌ास◌ो- चदबरद◌ाई (शवशव्रता व◌ि◌ि◌◌ा◌ि) पदसख्ं य◌ा-1-50

इकाई-3: कबीर दास

स◌ावि◌ि◌य◌ा- गरुुद क◌ो ◌ि अग 1-30

सिु मरन 1-30

क◌ो अग 1-30

विर◌ि◌ि क◌ो

अगं पद 1-5

इक◌ाई-4: पद्मम◌ा◌ि◌त- ◌ि◌◌ायस◌ी- नि◌िवश◌ि ◌ि◌◌ड और चसि◌ि ल द्वव◌ीप ◌िणन

इक◌ाई-5; सत काव्य परंपरा: रैदास, दाद, सन्ुदरदास और रज्जब की बावनयों से एक-एक पद|

(व्याख्या के प्रश्न विद्यापवत और कबीरदास ◌िाली इकाई से ◌ि◌ो◌ंग)

आधारग्रन्थ:

1. विद्य◌ापवत पद◌ा◌ि◌ल◌ी- र◌ाम◌ि◌्ि◌ि बन◌ीपर◌ी
2. पथृ◌ि◌ीर◌ा◌ि र◌ास◌ो- चद बरदाई
3. कबीर ग्रथ◌ा◌ि◌ल◌ी- स◌ं◌ श्य◌ामसदरद◌ास
4. पद्मम◌ा◌ि◌त- ◌ि◌◌ायस◌ी- स◌ं◌ म◌ात◌ाप्रस◌ाद गप्त

स◌ंदभग्रथ:

1. विद्य◌ापवत- वश◌ि◌प्रस◌ाद चसि◌ि
2. पथृ◌ि◌ीर◌ा◌ि र◌ास◌ो- न◌ाम◌ि◌र चसि◌ि
3. कबीर- ◌ि◌ि◌ि◌◌ार◌ी प्रस◌ाद वद्वव◌ि◌द◌ी
4. कबीर म◌ीम◌ास◌ा- र◌ामच◌ वतिारी
5. सतक◌ाव्य पर◌ंपर◌ा- पशर

ाम चतिदी

6. िायसी- विियदि नारायण सािी

PAPER CODE: CE-04

ि नातमक
साहितय िथा हिदी ओड़िआ कावय का िलु नातमक पररदृशय

TULANATMAK SAHITYA TATHA HINDI ODIA KAVYA KA TULANATMAK PARIDRISHYA

इकाई-1: तलनातमक साविितय की पररभार्षा, , उद्देशय तथा सीमाए और रूपरेिा, कृषनसमसयाए

इकाई-2: तलनातमक साविितय के सद्ावतक पक्ष विवभन्न सकूल, भारतीय और विश्व साविितय की सकल्पना

इकाई-3: तलनातमक अधययन की विविध प्राविधया, साविितयक िवशाषय का उद्घाटन

इकाई-4: तलनातमक साविितय राष्ट्रीय, अत र ीय सन्दभ, ा अन्तर्िद्य ाितीसि वनन स्वरूप, साि साविितय चचतन

इकाई-5: वन्दी-ओविआ कावय का विकासक्रम और तलनातमक पररदश्य

संदभगथ:

1. तलनातमक साविितय- इंनाथ चौधरी
2. तलनातमक साविितय- डॉ.रिीन्नाथ श्रीिासति
3. तलनातमक साविितय- डॉ. नगने कर और रािमल बोिरा
4. तलनातमक अधययन: सिस्वरूप और समसयाए- रािर
5. **COMPARATIVE LITERATURE: MATTER AND METHOD- O.ALNIL**

PAPER CODE: OE-03

मौखखकी

MAUKHIKEE

यि मौविकी परीक्षा सत्र के अत मेंं िोगी| विद्याथी के ज्ञान की परीक्षा तथा िििृत्ि-क्षमता की परीक्षा की िाएगी|